भारत के अमर चरित्र

गोपालकृष्ण गोखले

नेमिशरण मित्तल

V2wM66
L2
144858

प्रकाशन विभाग
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

[illegible]ुन 1893 • मार्च 1972

मूल्य : 1.50

निदेशक, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली - 1 द्वारा प्रकाशित।

क्षेत्रीय कार्यालय :

बोटावाला चेम्बर्स, सर फिरोजशाह मेहता रोड, बम्बई-1

8, एस्प्लैनेड ईस्ट, कलकत्ता-1

शास्त्री भवन, 35, हेडोस रोड, मद्रास-6

[illegible], देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली-55 द्वारा मुद्रित।

'भारत के अमर चरित्र'

प्रकाशन विभाग से उपरोक्त ग्रंथमाला के अन्तर्गत देश के ऐसे महान पुरुषों और स्त्रियों की संक्षिप्त जीवनियां प्रस्तुत की जा रही हैं, जो अपने महान कार्यों से अमर हो चुके हैं। इस माला में हम नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, महामना पं० मदनमोहन मालवीय, दादा भाई नौरोजी, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, लौह पुरुष सरदार पटेल की जीवनियां प्रकाशित कर चुके हैं और अब गोपाल कृष्ण गोखले की जीवनी प्रकाशित कर रहे हैं।

इस छोटी सी जीवनी में उनके जीवन की मुख्य मुख्य घटनाओं का और उनके पुण्य चरित्र का संक्षिप्त वर्णन श्री नेमिशरण मित्तल ने किया है। हमें आशा है कि इस पुस्तक माला की पुस्तकें बालकों को अपने देश के अमर व्यक्तियों का परिचय दे सकेंगी तथा उनके हृदय में देश-प्रेम और देश-सेवा की भावना जगा सकेंगी।

—सम्पादक

सूची

1. बचपन ... 1
2. सेवा का व्रत ... 10
3. राजनीतिक जीवन ... 16
4. कांग्रेस का नेतृत्व ... 21
5. दक्षिण अफ्रीका की यात्रा और अंतिम दिन ... 28
6. गोखले की देन ... 37
7. ऐसे थे गोखले 41

ईस्ट
8 में